



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 589]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 30, 1983/पौष 9, 1905

No. 589]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 30, 1983/PAUSA 9, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1983

का० आ० 940 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तीस दिसम्बर उन्नीस सौ तिरासी को ऐसी तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम प्रवृत्त होगा।

[सं० सी जी ई-11011/8/81-उत्प्रवास-I(i)]

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

Department of Labour

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 30th December, 1983

S.O. 940(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints the thirtieth December nineteen eighty three as the date on which the said Act shall come into force.

[No. CGE-11011/8/81-EMIG-I(i)]

का० आ० 941 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम 1983 (1983 का 31) की धारा 43 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है :

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम उत्प्रवास नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :- इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :-

(क) "अधिनियम" से उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) अभिप्रेत है ;

(ख) "प्रमाणपत्र" से अधिनियम की धारा 11 के अधीन जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;

(ग) "सक्षम प्राधिकारी" से अधिनियम की धारा 15 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है ;

(घ) "मांग" से नियोजक द्वारा अपने स्थापन में नियोजित किए जाने के लिए अपेक्षित प्रवर्ग वार, कुशलता वार कर्मचारों की संख्या अभिप्रेत है। इसके अन्तर्गत काम विनियमन का वर्णन और प्रस्तावित वेतन भी है ;

- (इ) "उत्प्रवास संख्या" में उत्प्रवास निकामी देने के समय किसी उत्प्रवासियों को उत्प्रवासी संरक्षक द्वारा समनुदेशित संख्या अभिलेखित है ;
- (ख) "प्रकृति" में इन नियमों में उपायबद्ध प्रकृति अभिलेखित है ;
- (छ) "अनुज्ञापत्र" में अधिनियम के अध्याय 4 के अर्धीन जारी किया गया अनुज्ञापत्र अभिलेखित है ;
- (ज) "प्रेषणीय संवेदक" में ऐसी मशीनों का कोई भाग जिसे उत्प्रवासियों भारत में प्रेषित करने के लिए हकदार है, अभिलेखित है ;
- (झ) "प्राधिकृत उत्प्रवासियों" में ऐसा कोई व्यक्ति जिसने अधिनियम और उसके नियमों के उपबंधों के अनुबन्धन में निरोध के लिए भारत के बाहर उत्प्रवास किया है या करना चाहता है, अभिलेखित है।

3. उत्प्रवासी का अधिकार : (1) ऐसे किसी व्यक्ति में जो किर्ण उत्प्रवासियों का अधिकार होने का दावा करता है अपने दावे के समर्थन में उन स्थानों के जहाँ उत्प्रवासी साधारणतः निवास करता है या अतिवसित है, जिसका मजिस्ट्रेट से या तहसीलदार से अतिम रैंक के किसी राजस्व प्राधिकारी से इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाएगी।

(2) अधिकार की यात्रा के प्रयोजन का अवधारणा बोझ की प्रकृति, प्रमाणपत्र के प्राप्ति और अन्य ऐसे मात्रा दस्तावेजों का जो राजस्वक समझे जाएं प्रकृति के प्रतिनिर्देश से किया जाएगा।

4. उत्प्रवासी सवारी : कोई सवारी जो विशेषकर उत्प्रवासी के ले जाने के लिए भाड़े पर ली जाती है या वैसे अधिक उत्प्रवासियों को ले जाने के लिए साधारणतः नियोजित की जाती है, उत्प्रवासी सवारों माने जाएंगे।

5. नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाला भर्ती अधिकारी : किन्ना भर्ती अधिकारी द्वारा नियोजक का प्रतिनिधित्व नियोजक द्वारा भर्ती अधिकारों को दिए गए मुखतारनामा के प्रतिनिर्देश से अवधारित किया जाएगा। प्रतिनिधित्व मुखतारनामा में वर्णित प्रयाजन तक हो सोमित रहेगा। ऐसा मुखतारनामा जब तक कि किसी अभिव्यक्त उपबंध द्वारा समय द्वारा सोमित न कर दिया गया हो, उसके निष्पादन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए वैध रहेगा।

6. उत्प्रवासी सवारी का निरोक्षण : (1) यदि उत्प्रवासियों संरक्षक के पास यह विश्वास करने का कारण है कि सवारी उत्प्रवासियों को सवारी है तो वह ऐसा सवारी का निरोक्षण सवारी में प्राधिकृत उत्प्रवासियों को उपस्थिति का पता लगाने की दृष्टि से या ऐसा सवारी अभिव्यक्त करने के लिए जो उत्प्रवासियों के हितों संरक्षक उनके लिए आवश्यक हो, कर सकेगा और वह ऐसी सहायता में जो वह एक समय,--

- (i) किसी भी समय ऐसा सवारी में प्रवेश कर सकेगा ;
- (ii) सवारी के रजिस्ट्रारण प्रमाणपत्र कागद और यात्रियों का सुर्चा के पेश किए जाने का अपेक्षा कर सकेगा ;
- (iii) ऐसे अन्य साधन ले सकेगा और ऐसे किन्ना व्यक्ति का पराजित जो वह आवश्यक समझे कर सकेगा।

(2) ऐसा व्यक्ति जिसके पास सवारी का साधारण प्रबंध या नियंत्रण है, ऐसे साधनों को जो उपनियम (1) के अन्तर्गत निरोक्षण के लिए उत्प्रवासियों संरक्षक द्वारा अपेक्षित हो, उपलब्ध कराएगा।

7. भर्ती अधिकारियों का रजिस्ट्रारण : भर्ती अधिकारियों के रजिस्ट्रारण के लिए आवेदन प्रपत्र 1 में किया जाएगा और उसके माध्यमः--

- (i) आवेदन फीस के सहे उत्प्रवासी महा संरक्षक के नाम देय एक सौ रुपए का एक बैंक ड्राफ्ट होगा ; और

- (ii) आवेदक को चाकू धितोय स्थिति का उल्लेख करने वाला किसी महानगर मजिस्ट्रेट या स्थानिक मजिस्ट्रेट के समक्ष स्थापित प्रपत्र 2 में एक शपथपत्र संकलन होगा।

8. प्रतिभूति की रकम--धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन प्रतिभूति निक्षेप की रकम का अवधारण ऐसा अवधि के दौरान जिसके लिए रजिस्ट्रारण के लिए आवेदन किया गया है आवेदक द्वारा भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों का प्राकलित संख्या के प्रतिनिर्देश से निम्नलिखित मापमान के अनुसार किया जाएगा--

- | | |
|----------------------|----------|
| (i) न्यूनतम 100 तक | एक लाख |
| (ii) 101 से 600 तक | तीन लाख |
| (iii) 601 से 1000 तक | चार लाख |
| (iv) 1001 और अधिक | पांच लाख |

(2) प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख के पूर्व विनिर्दिष्ट संख्या में भर्ती के पूरा हो जाने का दशा में प्रमाणपत्र-धारक को रजिस्ट्रारण अभिकर्ता द्वारा भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या की गणना करने के पश्चात् जिनके अन्तर्गत पहले से ही भर्ती की गई संख्या भी है विहित मापमान के अनुसार अनिवार्य प्रतिभूति देने पर प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख तक भर्ती चाकू रखने के लिए अनुज्ञापत्र किया जा सकेगा।

9. प्रमाणपत्र की वैधता : प्रमाणपत्र तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

परन्तु प्रमाणपत्र लघुतम अवधि के लिए जारी किया जा सकेगा--

- (क) यदि वह व्यक्ति जिसका यह जारी किया जाता है ऐसा चाहता है, या
- (ख) यदि रजिस्ट्रारण प्राधिकार प्रमाणपत्र के आवेदक को संसूचित किए जाने वाले विधित कारणों से किसी भी दशा में यह मानता है कि प्रमाणपत्र लघुतम अवधि के लिए जारी किया जाता चाहिए।

10. प्रमाणपत्र के निबंधन और शर्तें--(1) रजिस्ट्रारण प्रमाणपत्र निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन होगा--

- (i) यह प्रमाणपत्र प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए वैध होगा ;
- (ii) प्रमाणपत्र अन्तरणीय नहीं होगा ;
- (iii) प्रमाणपत्र धारक अपने नाम और मोहर से कारबार का संचालन करेगा ;
- (iv) रजिस्ट्रारण प्रमाणपत्र की एक फोटो प्रति कारबार के किसी प्रमुख स्थान पर सहजदृश्य स्था से संपर्कित की जाएगी ;
- (v) प्रमाणपत्र उत्प्रवासियों प्राधिकारियों विधि प्रकृत प्राधिकारियों और नियोजकों को निरोक्षण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।
- (vi) प्रमाणपत्र मांग किए जाने पर भर्ती अधिकारियों के सद्भाव के बारे में तृप्ति के लिए पेश किया जाएगा जब ऐसी मांग उ प्रवासियों द्वारा की जाती है ;
- (vii) प्रमाणपत्र धारक कारबार का संचालन प्रमाणपत्र में उपदिष्ट स्थान से करेगा। प्रमाणपत्र में उपदिष्ट स्थान न हो किसी स्थान पर कोई भर्ती केन्द्र खोलने के लिए प्रमाणपत्र धारक भर्ती अधिकारियों की पूर्व अनुज्ञा अभिप्राय करेगा ;
- (viii) प्रमाणपत्र धारक अपने कारबार के संचालन या संयवहार के प्रयोजन के लिए उप अधिकारियों का नियोजित नहीं करेगा ; और

(ix) प्रमाणपत्र धारक अपने कार्यालय के स्थापन पर निम्नलिखित अभिलेखों को बनाए रखेगा और उन्हें उद्घाटन समारोहों या उद्घाटनी निरीक्षण द्वारा मांग किए जाने पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराएगा—

(क) मूल निष्ठापण पत्रों के प्रत्येक भर्ती किए गए उद्घाटनियों से प्रभारों का प्राप्ति का एक रजिस्टर जिसमें ऐसे प्रत्येक उद्घाटनियों का हस्ताक्षर, जिसने प्रभार प्राप्त किया गया है होगा। ऐसा प्रत्येक रजिस्टर भर्ती के लिए मांग के प्रति निर्देश में होगा। रजिस्टर को स्थायी अभिलेख के रूप में बनाये रखा जाएगा,

(ख) नियोजकों से उनकी फोटो प्रतियों सहित अभिप्राय रकम और पूर्व संवत् टिकट सत्यापन के रजिस्टर और अभिलेख मांगवार रखे जाएंगे,

(ग) दस्तावेज द्वारा मांगवार समर्पित उद्घाटनियों की भर्ती पर उन्नत व्यवस्था के तहत अन्वेषित करने वाला एक रजिस्टर,

(घ) ऐसे प्रत्येक नियोजक के लिए जिसकी धर्म की मांग के बारे में प्रमाणपत्र धारक ने कार्यवाही की है, कार्यवाही करने का प्रस्ताव करता है या कार्यवाही कर रहा है व्यष्टिगत फाइल,

(ङ) प्रमाणपत्र धारक द्वारा भर्ती किए गए प्रत्येक प्रवासी के जन्म-वृत्त,

(च) उद्घाटनी सराफा द्वारा बना अधिप्रमाणित प्रत्येक उद्घाटनी के नियोजन संविदाओं की प्रतियां,

(छ) मूल मांगपत्र मुख्यतः नाम और नियोजकों के साथ हुआ पत्र-व्यवहार,

(ज) उद्घाटनियों की भर्ती से संबंधित सभी दस्तावेजों, जिनके अन्तर्गत आते हैं किए गए सभी विज्ञापनों साक्षात्कार पत्रों और नियोजकों के साथ हुए पत्र व्यवहारों मूल अधिनियम पत्रों जिनके कारण चयन हुआ है की कार्यालय प्रतियां चयन प्रक्रिया में अन्तर्निहित व्यक्तियों के नाम और उनके नियुक्ति पत्रों व्यवस्था परीक्षण विशिष्टियों की प्रतियां भी हैं,

(झ) नियोजकों से प्राप्त बीजा के रजिस्टर जिसमें एकत्रित और व्यष्टिगत बीजाओं का अलग-अलग लेखा-चौखा रिया गया हो,

(ञ) प्रमाणपत्र धारक द्वारा भर्ती किए गए उद्घाटनियों या उनके अधिकारों द्वारा किए गए सभी प्रतिकारों के लिए दावों का जितने अन्तर्गत धर्म या मृत्यु के दावे भी है एक रजिस्टर जिसमें उद्घाटनी का नाम पता रजिस्ट्रिकरण संख्या नियोजन देने वाला दण्ड प्रतिकर को प्रकृति (जिनके अन्तर्गत एनी परिस्थितियों का बाधित जिनके कारण दावा किया गया है व्यष्टि भी है) प्राप्तिकर्ताओं के पते और नियोजक का नाम और पता और प्रतिकर का संदाय किए जाने के प्रतीकात्मक रूप में मूल रसीद, और

(च) ऐसे अन्य अभिलेख जो रजिस्ट्रिकर्ताओं प्राधिकारी द्वारा बनाए रखने के लिए अपेक्षित हों।

(x) प्रमाणपत्र धारक अपने मास के दसवें दिन तक प्रत्येक 4 में पूर्व-भर्ती मामलों की विवरणियां प्रस्तुत करेगा।

(xi) उद्घाटनियों की भर्ती के लिए प्रत्येक विज्ञापन का प्राय उद्घाटनी निरीक्षण का पृष्ठांकित को जाएगा।

(xii) प्रमाणपत्र धारक यह सुनिश्चित करेगा कि नियोजक संविदा के निबंधनों और शर्तों का पालन करता है,

(xiii) प्रमाणपत्र धारक संस्थापक व्यक्तियों के मनुष्य-प्रवासों ने कोई रकम प्रभारित नहीं करेगा।

(2) प्रमाणपत्र प्रकरण 5 में होगा।

11--नियोजकों द्वारा भर्ती के लिए अनुज्ञापत्र--(1) अनुज्ञापत्रों के लिए अतिरिक्त निर्देशों नियोजकों द्वारा भर्ती के लिए अनुज्ञापत्र जारी किए जाने के लिए अतिरिक्त प्रकरण 6 में होगा।

(2) विदेशी नागरिकों के लिए भारतीय नियोजकों द्वारा भर्ती के लिए अनुज्ञापत्र जारी किए जाने के लिए अतिरिक्त प्रकरण 7 में होगा।

12--अनुज्ञापत्र की आवश्यकता--अनुज्ञापत्र गिनतिलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात्:--

(i) अनुज्ञापत्र अन्वेषण नहीं है।

(ii) अनुज्ञापत्र जारी किए जाने की तारीख से या भर्ती पूर्ण हो जाने की तारीख से इन दोनों में से जो भी पहले हो छह मास का कार्यालय के लिए वैध है।

(iii) इस अनुज्ञापत्र के आधार पर भर्ती किए गए कर्मचारियों को इस आधार पर संप्रत्य रीति नहीं किया जाएगा कि उनके पास अतिरिक्त कीर्ण नहीं है;

(iv) अनुज्ञापत्र धारक किसी भी रीति में भर्ती अधिकारों की सहायता नहीं देगा,

(v) कर्मचारियों के साथ हुए नियोजन करार पर अनुज्ञापत्र धारक के हस्ताक्षर होंगे।

(vi) अनुज्ञापत्र धारक कर्मचारियों के साथ हुए संविदा को नियोजन देने वाले देश की धर्म विधियों के अधीन प्रवर्तन रूप में मानने की बाधता के अधीन होगा। नियोजन देने वाले देश में संबंधित प्राधिकारियों के पास संविदा की प्रतियां फाइल करना उसका उत्तरदायित्व होगा।

(vii) अनुज्ञापत्र धारक इस अनुज्ञापत्र के आधार पर भर्ती की गई जन शक्ति का प्राय किसी अन्य अभिकरण या मनुष्यत्व को नहीं करेगा।

(viii) अनुज्ञापत्र धारक संविदा की अवधि के दौरान अनुज्ञापत्र के आधार पर भर्ती किए गए कर्मचारियों के साधारण कल्याण और उनकी विनिर्दिष्ट कठिनाइयों के निराकरण के लिए उत्तरदायी होगा।

(ix) अनुज्ञापत्र धारक कोई नया संविदा किए बिना या विद्यमान संविदा की अवधि का विस्तार किए बिना किसी संविदा की समाप्ति के पश्चात् किसी कर्मकार की सेवा अवधि का विस्तार नहीं करेगा।

(x) अनुज्ञापत्र धारक घटना घटित होने के 48 घंटे के अन्दर कर्मकार की मृत्यु या निःशक्तता के प्रत्येक मामले को नियोजन देने वाले देश में भारतीय मिशन को अधिसूचित करेगा। इसी प्रकार निःशक्तता/मृत्यु की दशा में 48 घंटे के अन्दर भारत में उसके निकट संबंधी को सूचना दी जाएगी।

(Xi) अनुज्ञापत्र का धारक उस देश से जिस देश में अनुज्ञापत्र जारी किया गया है, भिन्न किसी अन्य देश में काम के लिए जन शक्ति का प्रदाय करने से प्रतिषिद्ध है।

13. अनुज्ञापत्र का जारी किया जाना—(1) आवेदन की प्राप्ति पर सक्षम प्राधिकारी आवेदन में अन्तर्विष्ट तथ्यों को सत्यापित कर सकेगा और यह अभिनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित जांच कर सकेगा कि नियोजन के निबंधन और शर्तें मेदभावपूर्ण या शोषण करने वाली नहीं हैं,—

- (क) आधार जिस पर मांग की संगणना की गई है;
- (ख) भिदांत जिस पर कौशल का वर्गीकरण किया गया है;
- (ग) भरे जाने के लिए ओक्षित पद की काम अर्न्तवस्तु;
- (घ) नीतिरियों की विभिन्न श्रेणियों में भावी संभावनाओं का क्षेत्र;
- (ङ) पर्यवेक्षकीय निरीक्षण की संरचना;
- (च) कठिनाई निराकरण के लिए अनुसरित प्रक्रिया;
- (छ) आवेदक की साधारण रूपाति और विनिर्दिष्ट अबचार, यदि कोई है, की रिपोर्टें।

(2) अधिनियम की धारा 17 के अधीन जारी किया गया अनुज्ञापत्र प्ररूप 8 में होगा और उसके जारी किए जाने की तारीख से छह मास की कालावधि तक या ऐसे व्यक्तियों की जिनकी भर्ती के लिए ऐसा अनुज्ञापत्र जारी किया गया है, भर्ती पूरी कर लिए जाने तक, इन दोनों में से जो भी पहले हो के लिए वैध होगा।

(3) यदि नियोजक छह मास के अन्दर भर्ती पूरी करने में समर्थ नहीं है तो वह अनुज्ञापत्र की वैधता की कालावधि का विस्तार करने के लिए अधिनियम की धारा 18 के अधीन आवेदन कर सकेगा जिसमें विहित कालावधि के अन्दर भर्ती पूरी न किए जाने के कारणों का उल्लेख किया जाएगा। विहित प्राधिकारी अनुज्ञापत्र की वैधता का विस्तार ऐसी और अवधि तक कर सकेगा जो वह ठीक समझे किन्तु विस्तारण एक समय पर छह मास से अधिक के लिए नहीं होगा।

14. (1) विदेशी नियोजक जिसे अधिनियम की धारा 15 के उपनियम (2) के अधीन कोई अनुज्ञापत्र दिया गया है, द्वारा न जाने पर उत्प्रवास महांतरक्षक को अनुज्ञापत्र की एक प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात् भर्ती करने के लिए अग्रसर होगा।

(2) जहां धारा 15 की उपधारा (2) के अधीन अनुज्ञापत्र दो से अनधिक व्यक्ति की भर्ती के लिए जारी किया जाता है और जहां ऐसी भर्ती डाक संसूचना या व्यक्तिगत संपर्क आधार पर की जा रही है वहां नियोजन देने वाले देश में भारतीय मिशन द्वारा प्रमाणित अनुज्ञापत्र की एक प्रति स्वयं ऐसे व्यक्ति द्वारा फाइल की जा सकती है।

15. उत्प्रवास निकासी के लिए आवेदन—

(1) अधिनियम की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन किया गया प्रत्येक आवेदन आवेदक द्वारा प्ररूप 9 में प्रत्यक्षतः या भर्ती अभिकर्ता, यदि कोई हो, के माध्यम से या संबद्ध नियोजक के माध्यम से किया जाएगा और उसके साथ—

- (क) नियोजन देने वाले देश में भारतीय मिशन द्वारा सत्यापित और अधिप्रमाणित मांग की एक सही प्रति संलग्न होगी;
- (ख) नियोजन देने वाले देश में भारतीय मिशन द्वारा सत्यापित और अधिप्रमाणित भर्ती अभिकर्ता को नियोजक द्वारा दिए गए मुष्ठारनामा की एक सही प्रति संलग्न होगी;
- (ग) नियोजन देने वाले देश में भारतीय मिशन द्वारा सत्यापित और अधिप्रमाणित अधिनियम की धारा 22 की उपधारा (3) के अधीन करार की एक सही प्रति संलग्न होगी;
- (घ) उपनियम (2) के अधीन विहित विषयों की विशिष्टियों का जिनका करार में उपबंध नहीं किया गया है, उल्लेख करने वाला एक विवरण;
- (ङ) अतिरिक्त शर्तें, यदि कोई हों का विवरण;
- (च) ऐसे व्ययों की पूर्ति के लिए जो उस दशा में उपगत किए जाए जब किसी आवेदक के भारत को संप्रत्यावर्तन के लिए व्यवस्था करने हेतु आवश्यक हो जाए, प्रतिभूति के रूप में उपबंध के बारे में विवरण। यह विवरण उस दशा में भर्ती अभिकर्ता द्वारा सत्यापित और अधिप्रमाणित किया जाएगा यदि आवेदक उसके द्वारा भर्ती किया गया है;
- (छ) प्रत्येक आवेदक की वास्तव उत्प्रवास फीस के रूप में उत्प्रवासी महांतरक्षक के नाम रेखांकित पचास रुपए का एक मांग ड्राफ्ट;

(2) धारा 22 की उपधारा (3) के अधीन करार में निम्नलिखित विषयों का उपबंध किया जाएगा :—

- (1) नियोजन की कालावधि
- (2) नियोजन का स्थान,
- (3) मजदूरी;
- (4) कार्य
- (5) अतिकाल अने;
- (6) वास सुविधा;
- (7) उपजीविकाजन्य सुरक्षा उपबंध;
- (8) सामाजिक सुरक्षा जिनके अंतर्गत छति और मृत्यु के लिए प्रातिकर भी है;
- (9) चिकित्सीय प्रसुविधाएं;

- (10) छुट्टी प्रमुविधान;
- (11) यात्रा और परिवहन व्यय;
- (12) नियोजन की समाप्ति की शर्तें;
- (13) विशेष जोखिमों को प्रमुविधा की बाबत उपबंध जिनके अंतर्गत युद्ध भी है;
- (14) प्रेषणों की बाबत उपबंध;
- (15) संविदाओं के नवीकरण की बाबत उपबंध;
- (16) उत्प्रवासी के मृत शव व्ययन और परिवहन की बाबत उपबंध;
- (17) विवादों के निपटारे जाने का ढंग;

16. अधिनियम की धारा 22 की उपधारा (1) के अन्तर्गत उत्प्रवास निरुसी प्ररूप 10 में दी जाएगी और संविदा की कालावधि के लिए नियोजन देने वाले देश के लिए किसी उत्प्रवासी को उत्प्रवास निरुसी की मंजूरी समाविष्ट करते हुए एक प्रविष्टि और मांग की बाबत मिशन की अधिप्रमाणन संख्या उत्प्रवासी संरक्षक द्वारा उत्प्रवासी के पारपत्र में की जाएगी।

17. विदेशी नियोजक द्वारा प्रत्यक्ष रजिस्ट्रीकरण :

(1) जहां किसी विदेशी नियोजक द्वारा किसी उत्प्रवासी को सीधे भर्ती किया जाता है वहां उत्प्रवासी से नियोजन के स्थान से मूल देश के स्थान तक परिकल्पित एकतरफ का वापसी किराया अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संगम किराया संरचना के आधार पर प्रतिभूति के रूप में जमा करने की अपेक्षा की जाएगी।

(2) जहां संप्रत्यावर्तन का व्यय उठाने का दायित्व उत्प्रवासी पर आता है वहां उपनियम (2) के अधीन उसके द्वारा जमा की गई प्रतिभूति का उपयोग उत्प्रवासी संरक्षक के आदेशों पर उसके संप्रत्यावर्तन के लिए किया जाएगा।

18. अपील का प्ररूप :

(1) अधिनियम की धारा 23 के अधीन केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत की गई प्रत्येक अपील अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षरित जापन के प्ररूप में होगी। जापन को तीन प्रतियों में भेजा जाएगा और उसके साथ उस आदेश की जिसके विरुद्ध अपील की गई, एक प्रति भी लगी होगी तथा अपील की फीस के मद्धे भारत संघ के नाम रेखांकित पचहत्तर रुपए का मांग ड्राफ्ट भी संलग्न होगा।

(2) जापन—

(क) में उस आदेश के जिसके विरुद्ध अपील की गई है, आक्षेपों के आधारों का संक्षिप्त उल्लेख किया जाएगा और ऐसे आधारों को क्रमशः संस्थांकित किया जाएगा; और

(ख) जापन में—

- (1) वह पता जिस पर सूचनाओं का अन्य आदेशिकाओं की अपीलार्थी पर तामील की जा सकेगी, विनिर्दिष्ट किया जाएगा; और
- (2) वह तारीख विनिर्दिष्ट की जाएगी जिस पर वह आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, अपीलार्थी को तामील किया गया था।

(3) जहां जापन धारा 23 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट 30 दिन की कालावधि की समाप्ति के पश्चात् प्रस्तुत किया जाता है वहां उसके साथ ऐसे दस्तावेजों द्वारा, यदि कोई हों जिन का अपीलार्थी द्वारा अवलम्ब लिया गया है, सम्यक् रूप में संस्थांकित और समर्थित तीन प्रतियों में एक पिटीशन संलग्न होगा जिसमें यह हेतुक दर्शित किया गया होगा कि अपीलार्थी किस प्रकार तीस दिन की उक्त कालावधि के अंदर अपील करने से निवारित हुआ था।

(4) अपीलार्थी पर तामील किए जाने के लिए अपेक्षित किसी सूचना की उस पर तामील जापन में विनिर्दिष्ट सेवा के पते पर—नियम में विहित रीति से की जाएगी।

19. अपील प्राधिकारी के समक्ष प्रक्रिया —(1) नियम के अधीन अपील की प्राप्ति पर अपील प्राधिकारी अपील के जापन की एक प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या सक्षम प्राधिकारी या उत्प्रवासी संरक्षक या ऐसे विहित प्राधिकारी को भेजेगा, जिसके आदेश के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की गई है।

(2) अपील प्राधिकारी तब, यथास्थिति, अपीलार्थी को और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या सक्षम प्राधिकारी या उत्प्रवासी संरक्षक या विहित प्राधिकारी को अपील की सुनवाई की तारीख नियत करने हुए, सूचना जारी करेगा।

(3) अपील की सुनवाई के लिए नियत तारीख को या किसी अन्य दिन जिस दिन अपील की सुनवाई स्थगित की जा सकेगी, यथास्थिति, अपीलार्थी और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के प्रतिनिधि या सक्षम प्राधिकारी या उत्प्रवासी संरक्षक या विहित प्राधिकारी की सुनवाई की जाएगी।

(4) जहां नियत तारीख को या किसी अन्य दिन जिस दिन अपील की सुनवाई स्थगित की गई हो, अपीलार्थी उस समय उपसंज्ञा होने में अमफल रहता है, जब अपील की सुनवाई के लिए आहूत किया जाता है, तो अपील प्राधिकारी मामले के अभिलेखों के आधारों पर अपील का विनिश्चय कर सकेगा।

20. अपील में आदेश की अन्तर्वस्तु :—अपील प्राधिकारी का आदेश लिखित रूप में होगा और उसमें सक्षम विनिश्चय के आधारों का उल्लेख किया जाएगा और उस पर अपील प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

21. पक्षकार का प्रतिनिधित्व :—ऐसा कोई व्यक्ति जिसने अधिनियम की धारा 23 के अधीन अपील फाइन को है, अतीत प्राधिकारी के समक्ष अपनी ओर से उपसजात होने, अभिवदन और कार्यवाही करने के लिए किसी लीडर, अधिवक्ता या किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त कर सकेगा।

22. उत्प्रवासी-प्रास्थिति के विनिश्चय के लिए प्रक्रिया :—जहां उत्प्रवासी संरक्षक के समक्ष यह प्रश्न पैदा होता है कि क्या भारत से प्रस्थान करने का आशय रखने वाला कोई व्यक्ति उत्प्रवासी है या नहीं, तो उसका विनिश्चय निम्नलिखित रीति से जांच करने के पश्चात् उत्प्रवासी संरक्षक द्वारा किया जाएगा :—

- (क) वह नियत दिन और समय पर सम्बन्धित व्यक्ति का उपस्थिति की अपेक्षा कर सकेगा ;
- (ख) वह सम्बन्धित व्यक्ति से निम्नलिखित से सम्बन्धित माध्य पेश करने की भी अपेक्षा कर सकेगा —
 - (i) वर्तमान उपजीविका ;
 - (ii) उसका विनीय प्रास्थिति और आय ;
 - (iii) विदेश से प्रायोजन का प्रमाणपत्र ;
 - (iv) यात्रा के वित्त पोषण का स्त्रोत ;
 - (v) विदेशी मुद्रा की प्राप्ति के स्त्रोत ;

और तत्पश्चात् वह सकारण आदेश पारित करेगा और उसकी प्रतिलिपि सम्बन्धित व्यक्ति को दी जाएगी और इस आशय का एक पृष्ठांकन पारपत्र में किया जाएगा।

23. प्रतिभूति निक्षेप का समग्रहण :—जहां सक्षम प्राधिकारी या रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पास यह विश्वास करने का कारण है कि किसी व्यक्ति द्वारा दी गई संपूर्ण प्रतिभूति या उसका कोई भाग ऐसे प्रयोजन के लिए और ऐसी रीति में जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, उपयुक्त किए जाने के लिए समग्रहण करना समीचीन है, तो वह इस आशय की सूचना ऐसे व्यक्ति को देने के पश्चात् और तत्पश्चात् उसे अपने मामले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर देने के पश्चात् लिखित आदेश द्वारा संपूर्ण प्रतिभूति या उसके किसी भाग को समग्रहित कर सकेगा।

24. प्राधिकारियों और अधिकारियों को सिविल न्यायालयों की कुछ शक्तियों का होना :—(1) उत्प्रवासी महासंरक्षक, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी और प्रत्येक उत्प्रवासी संरक्षक को इस अधिनियम के अधीन अपने कृत्यों के निर्वहन के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित विषयों के संबंध में वही शक्तियां प्राप्त होंगी जो किसी वाद का विचारण करते समय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन किसी न्यायालय में निहित होती है, अर्थात् :—

- (क) साक्षियों की हाजरी समन करना और प्रवृत्ति करना
- (ख) किसी न्यायालय या कार्यालय से लोक अभिलेख या उसकी प्रति की अपेक्षा करना,

(ग) किसी न्यायालय या कार्यालय में किसी लोक अभिलेख या उसकी प्रति की अध्यक्षा करना

(घ) शपथपत्रों पर साक्ष्य लेना, और

(ङ) साक्षियों या दस्तावेजों की परीक्षा के लिए कमीशन निकालना

(2) उत्प्रवासी महासंरक्षक या रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या सक्षम प्राधिकारी या उत्प्रवासी संरक्षक के समक्ष प्रत्येक कार्यवाही भारतीय दण्ड संहिता की धारा 193 और 228 के अर्थात्तर्गत एक न्यायिक कार्यवाही होगी और उत्प्रवासी महासंरक्षक, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी और प्रत्येक उत्प्रवासी संरक्षक को दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 और अध्याय 26 के प्रयोजनों के लिए एक सिविल न्यायालय माना जाएगा।

25. सेवा प्रभार :—वे प्रभार जो भर्ती अभिकर्ता की गई सेवाओं की वाबत उत्प्रवासी से वसूल कर सकेगा एक हजार पांच सौ रुपए से अधिक नहीं होंगे जिनके लिए भर्ती अभिकर्ता उत्प्रवासी को एक रसीद देगा।

26. सूचना और आदेशों की तामील :—इन नियमों के अधीन जारी की गई किसी सूचना या आदेशों की किसी व्यक्ति पर तामील निम्नलिखित रीति में की जाएगी, अर्थात् :—

(क) सूचना या आदेश को उस व्यक्ति या उसके सम्यक रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता को परिदत्त करके या देकर, या

(ख) सम्यक पावती सहित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा उसके स्थान या निवास स्थान या निवास स्थान के अन्तिम ज्ञात स्थान या ऐसे स्थान पर जहां वह कारबार चलाता है या पिछली बार चलाया था या जहां व्यक्तिगत रूप से अभिलाभ के लिए कार्य करता है या पिछली बार कार्य किया था, के पते पर उसकी सूचना या आदेश भेजकर या

(ग) यदि सूचना या आदेश की तामील खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन उस परिसर के जिसमें वह व्यक्ति निवास करता है या जिसके बारे में यह ज्ञात है कि पहले निवास करता था या कारबार करता है या पिछली बार कारबार करता था या व्यक्तिगत रूप से अभिलाभ के लिए कार्य करता है या पिछली बार कार्य करता था, बाहरी दरवाजे या किसी अन्य सहजदृश्य भाग पर चिपकाकर नहीं की जा सकती तो उसकी लिखित रिपोर्ट दो व्यक्तियों द्वारा साक्षित होनी चाहिए।

प्ररूप-1

भर्ती अभिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का प्ररूप

(निधम 7 देखिए)

1. आवेदक का नाम ।

2. प्रास्थिति (कम्पनी/भागीदारी फर्म/एकमात्र स्वत्वधारी) (किसी कम्पनी की दशा में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और अनुच्छेद ज्ञापन की प्रति और किसी फर्म की दशा में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और भागीदारी विलेख की प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न की जाएगी) ।

3. स्थापन की स्थापना की तारीख ।

4. निदेशक, भागीदार या स्वत्वधारी का जो आवेदक फर्म या स्वत्वधारी समुत्थान की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है, नाम, पदाभिधान और पता (नमूना हस्ताक्षर संलग्न किए जाएंगे) ।

5. बैंककार का नाम और पता ।

6. वित्तीय प्रास्थिति :

- (1) अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र द्वारा समर्थित आस्तियों का मूल्य ।
- (2) बैंक के द्वारा किसी प्रमाणपत्र द्वारा समर्थित बैंक निक्षेप,
- (3) विनिधान
- (4) कुल हैसियत
- (5) स्थायी आधकर संख्या ।

(पूर्व वर्ष की आधकर रकम के प्रमाणपत्र की एक प्रति संलग्न करें)

7. पिछले पांच वर्षों के दौरान कारबार ।

8. विदेश में नियोजन के लिए जन् शक्ति की भर्ती का अनुभव, यदि कोई हो, यदि ऐसा है तो :

- (क) क्या आवेदक भर्ती अभिकर्ता के रूप में पहले रजिस्ट्रीकृत था और यदि हां, तो विवरण दें ।
- (ख) क्या कोई निदेशक/भागीदार/स्वत्वधारी पहले किसी भर्ती अभिकर्ता के साथ सहयुक्त किया गया था और यदि हां, तो विवरण दें ।

9. क्या पहले से ही भर्ती का कारबार कर रहा है, पिछले पांच वर्षों के दौरान वर्षवार, देशवार, और प्रवर्गवार, विदेश में नियोजित कर्मकारों की संख्या ।

10. क्या भर्ती किए गए कर्मकारों की वाबत आवेदक के विरुद्ध कोई शिकायत है यदि हां, तो उनका विवरण दें ।

11. क्या आवेदक के विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई दांडक या सिविल मामला लंबित है, यदि हां, तो उसका विवरण दें ।

12. क्या किसी निदेशक/भागीदार/स्वत्वधारी को कभी दोषमिद्ध किया गया है, यदि हां, तो उसका विवरण दें ।

13. क्या उत्पत्ती अधिनियम, 1983 के अधीन जारी किया गया कोई प्रमाणपत्र रद्द किया गया है, यदि हां, तो उसके कारण दें ।

14. कारबार का संचालन करने के लिए कार्यालय परिसरों का पता ।

15. क्या कार्यालय परिसर स्वामित्व में हैं या भाड़े पर या पट्टे पर लिए गए हैं, यदि कार्यालय भाड़े/पट्टे पर ली गई परिसरों में है, तो स्वामी का नाम और पता ।

16. क्या कारबार परिसरें समुचित हैं और वे आम जनता के लिए आसानी से सुलभ हो सकती हैं ।

17. आवेदक के पास कारबार के संचालन के लिए सुविधाओं का विवरण दें ।

18. उन देशों के नाम जहां आवेदक भर्ती कर्मकारों को नियोजित करने के लिए अपने प्रयास करने को प्रस्तावना करता है । वह उन देशों से किस प्रकार संपर्क रखता है ।

19. भर्ती किए जाने के लिए प्रस्तावित कर्मकारों की संख्या और जमा की जाने वाली प्रतिभूति का प्ररूप ।

20. वह कालावधि जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया है ।

वचनबंध

मैं यह वचनबंध करता हूं कि उपरोक्त दी गई किसी सूचना के किसी भी बाबत मिथ्या या गलत पाये जाने की दशा में प्रमाणपत्र रद्द किया जा सकता है ।

तारीख

अपीलार्थी

प्ररूप-2

शपथ-पत्र

(निधम 7 देखिए)

मैं, पुत्र श्री आयु निवासी इसके द्वारा सत्य निष्ठापूर्वक निम्नलिखित रूप में यह प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूं :—

1. कि मैं कम्पनी/फर्म/रूप के मूल्य की निधत आस्तियों का स्वामी हूँ/हैं ।

2. यह कि मैं कम्पनी/फर्म रूप के बैंक निक्षेप धारण करता हूँ/हैं ।

3. यह कि मैं कम्पनी/फर्म ने निम्नलिखित अन्य विनिधान किए हैं ।

(क)

(ख)

- (ग)
(घ)
4. यह कि मैं उस कम्पनी/फर्म के निम्नलिखित दायित्व
है :
(ङ)
(च)
(ग)

सत्यापन :

मैं सत्य निष्ठापूर्वक यह प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त पैरा 1 से 4 की अन्तर्वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है और किसी भी धान को नहीं छिपाया गया है।

.....को सत्यापित किया गया।

अभिसाधी

महानगर मजिस्ट्रेट/न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष अर्द्ध-
प्रमाणित नाम, हस्ताक्षर और मोहर

प्रत्यप-4

कम्पनी का नाम.....
रजिस्ट्रीकरण सं०
मास की विवरणी

उत्प्रवासी महा संरक्षक के कार्यालय में भर्ती अभिकर्ता द्वारा प्रत्येक मास के
10वें दिन तक मासिक विवरणी का प्रस्तुत किया जाना

[[नियम 10(1) देखिए]]

मांग के विवरण	विदेश में नियोजित व्यक्तियों की संख्या	उत्प्रवासियों से बसूल किया गया प्रभार	संविदा कालावधि के पूरी होने के पूर्व नियोजक द्वारा संप्रत्यावर्तित व्यक्तियों की संख्या	बीजा की सं० प्राप्ति प्रयुक्त किया गया	पूर्व संदत्त टिकट सलाह प्राप्ति प्रयुक्त किया गया	नियोजकों से प्राप्त फीस (विदेशी मुद्रा में)
	1 2 3 प्रवेश देण मजदूरी					
1	2	3	4	5	6	7

हस्ताक्षर

कम्पनी की मोहर

तारीख

प्रमाणपत्र

[नियम 10 (2) देखिए]

विदेशी नियोजकों के साथ भारतीय कर्मकारों के नियोजन के लिए भर्ती का कारबार प्रारंभ करने या चलाने के लिए उत्प्रवास अधिनियम, 1983 की धारा 10 के अधीन प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिएतारीख के आवेदन के संबंध में मैंको उक्त प्रमाणपत्र दिया जाता है जो इस प्रमाणपत्र के जारी किए जाने की तारीख से निम्नलिखित नियन्त्रण और शर्तों के अधीन प्रभावी होगा :—

(i) यह कि कारबार का संचालनकिया जाएगा ;

(ii) यह कि प्रमाणपत्रवर्ष की कालावधि के लिए थाकर्मकारों की भर्ती पूरी हो जाने तक इन दोनों में से जो भी पहले हो, वैध है। विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व विनिर्दिष्ट संख्या में भर्ती पूरी हो जाने की दशा में प्रमाणपत्र धारक को वास्तविक मांग का साक्ष्य पेश किए जाने पर और नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन अतिरिक्त प्रतिभूति देने पर प्रमाणपत्र की समाप्ति तक भर्ती चासू रखने के लिए अनुज्ञात किया जा सकता है ;

(iii) यह कि प्रमाणपत्र धारक कारबार का संचालन अपने हस्ताक्षर और निदेशक/भागीदार/स्वत्वधारी की मोहर से करेगा तथा प्रमाणपत्र अंतरणीय नहीं होगा ;

(iv) यह कि यह प्रमाणपत्र कारबार परिसरों में किसी प्रमुख स्थान पर सहजदृश्य रूप से संप्रदर्शित किया जाएगा और उत्प्रवास प्राधिकारियों, विधि प्रवर्तन प्राधिकारियों और नियोजकों को मांग की जाने पर प्रस्तुत किया जाएगा,

(v) यह कि प्रमाणपत्र धारक सामान्यतः अपने कारबार का संचालन रजिस्ट्रार के लिए आवेदन में उपदर्शित स्थान में करेगा। आवेदन में उपदर्शित स्थान से भिन्न किसी स्थान पर कोई भर्ती केन्द्र खोलने के लिए प्रमाणपत्र धारक को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का पूर्व अनमोदन प्राप्त करना होगा,

(vi) यह कि प्रमाणपत्र धारक अपने कारबार के संचालन या संयवहार के प्रयोजन के लिए अधिकर्ता को नियोजित नहीं करेगा,

(vii) यह कि प्रमाणपत्र धारक उत्प्रवासियों से विहित फीस से अधिक प्रभारित नहीं करेगा और विहित मानक मजदूरियों का पालन करेगा,

(viii) यह कि प्रमाणपत्र धारक अपने कारबार के स्थान पर निम्नलिखित स्थायी अभिलेख बनाए रखेगा :—

- (क) मूल निस्तारण पूंजी के प्ररूप में जिसमें भर्ती किए जाने वाले उत्प्रवासियों से प्रभारों की प्राप्ति का एक रजिस्टर जिसमें ऐसे प्रत्येक उत्प्रवासी के हस्ताक्षर होंगे जिनसे प्रभार वसूल किया गया है। ऐसा प्रत्येक रजिस्टर भर्ती के लिए की गई मांग के प्रति निर्देश से होगा।
- (ख) नियोजकों से उनकी फोटोस्टेट प्रतियों सहित अभिप्राप्त रकम और पूर्व संदत्त टिकट सलाह के रजिस्टर और अभिलेख मांगवार रखे जाएंगे।
- (ग) दस्तावेजों द्वारा समर्थित मांगवार उत्प्रवासियों की भर्ती की बाबत उपगत व्ययों का विवरण देने वाला रजिस्टर।
- (घ) ऐसे प्रत्येक नियोजक के लिए जिसकी श्रम की मांग के बारे में प्रमाणपत्र धारक ने कार्यवाही की है, कार्यवाही करने का प्रस्ताव करता है या कार्यवाही कर रहा है, व्यक्ति होकर।
- (ङ) प्रमाणपत्र धारक द्वारा भर्ती किए गए प्रत्येक उत्प्रवासी के जीवनवृत्त जिसमें पूर्ण विशिष्टियाँ जिनके अंतर्गत उनके निकट संबंधी का नाम, पता, आयु, कौशल, अनुभव और नाम और पता भी है, दी जाएगी।
- (च) उत्प्रवासी संरक्षक द्वारा यथा अधिप्राणित प्रत्येक उत्प्रवासी के नियोजन संविदाओं की प्रतियाँ।
- (छ) मूल मांग, मुक्तारनामा और नियोजकों के साथ पत्र व्यवहार।

(ज) उत्प्रवासियों की भर्ती से संबंधित सभी दस्तावेजी जिनके अंतर्गत जारी किए गए सभी विशापनों, साक्षात्कार पत्रों और आवेदकों के साथ पत्र व्यवहारों, मूल अधिनिर्णय पत्रों जिसके कारण चयन हुआ है, की कार्यालय प्रतियाँ। चयन प्रक्रिया में अंतर्बलित व्यक्तियों के नाम और पते, नियुक्ति पत्रों, व्यवसाय परीक्षण संबंधी विशिष्टियों की प्रतियाँ भी हैं।

(झ) नियोजकों से अभिप्राप्त बीजा का रजिस्टर जिसमें सम्मिलित और व्यक्तिगत बीजाओं का अलग सेखा-जोखा होगा।

(ञ) प्रमाणपत्र धारक द्वारा भर्ती किए गए उत्प्रवासियों या उनके आश्रितों द्वारा क्षति या मृत्यु के लिए प्रतिकर के दावों का एक रजिस्टर जिसमें उत्प्रवासी का नाम, पता, उत्प्रवास सं०, नियोजन देने वाले देश का नाम, यथास्थिति, क्षति या मृत्यु की प्रक्रिया, दुर्घटना की तारीख, प्राप्तिकर्ता का नाम और पता, नियोजक का नाम और पता और प्रतिकर का संदाय किए जाने के प्रतिकरात्मक स्वरूप मूल रसीद लगाई जाएगी।

(ट) ऐसे अन्य अभिलेख जो रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा बनाए रखे जाने के लिए अपेक्षित हों।

(ix) यह कि प्रमाणपत्र धारक अगले मास के दसवें दिन तक प्ररूप चार में पूर्वर्ती मास की विवरणी देगा।

(x) यह कि उत्प्रवासियों की भर्ती के लिए विशापनों की प्रतियाँ उत्प्रवासी संरक्षक के पास फाइल की जाएंगी।

(xi) यह कि भर्ती अधिकर्ता उत्प्रवासी से संप्रत्यावर्तन व्ययों को प्रभारित नहीं करेगा।

तारीख और स्थान रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर, नाम और मोहर

प्ररूप-6

विदेशी नियोजक द्वारा भर्ती के लिये अनुज्ञापत्र के लिये आवेदन का प्ररूप

[नियम 11 (1) देखिए]

1. नियोजक का नाम
2. प्रास्थिति (कंपनी भागीदारी फर्म एकमात्र स्वत्वाधारी) (किसी कंपनी की दशा में रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र और अनुच्छेद शापन की प्रति और किसी फर्म की दशा में रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र और भागीदारी विलेख की प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न की जाएगी)

3. क्या आवेदक ने विदेशी कर्मकारों को नियोजित करने के लिए अपनी सरकार से अनुज्ञा अभिप्राप्त कर ली है? (अनुज्ञा की फोटोप्रति संलग्न करें)
4. क्या आवेदक ने कर्मकारों की प्रस्तावित संख्या के लिए नियोजन संबंधी योजना अभिप्राप्त करने की व्यवस्था कर ली है?
5. आवेदक अपनी भर्ती किस प्रकार करने की प्रस्तावना करता है?
6. वर्तमान अपेक्षा कितनी है?
(अपेक्षित कर्मकारों की श्रेणी, प्रस्तावित मजदूरी के बारे में जानकारी देने वाले और नियोजन संविदा की मांग की एक नमूना प्रति संलग्न करें)
7. क्या आवेदक ने पहले कभी अपने स्थापन में किसी भारतीय कर्मकारों को नियोजित किया है? यदि हां तो उनको कुल संख्या दें।
8. क्या किन्हीं भारतीय कर्मकारों से कोई शिकायत संबंधित है, यदि हां तो उनका ब्योरा दें।

वचनबंध

मैं यह वचनबंध करता हूं कि पूर्वोक्त जानकारी के किसी भी बाबत असत्य या मिथ्या पाए जाने की दशा में अनुज्ञापत्र रद्द कर दिया जाएगा।

आवेदक

मोहर (बैम्बर आफ कामसे) मोहर (विदेशी मामले) मोहर (भारतीय दूतावास)

प्रारूप 7

भारतीय परियोजन निर्णायकता द्वारा भर्ती हेतु अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन का प्रारूप

[नियम 11 (2) देखिए]

1. नियोजक का नाम
2. प्रास्थिति (कंपनी एक भागीदारी फर्म स्वत्वधारी) (किसी कंपनी की दशा में रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र और अनुच्छेद स्थापन की प्रति और किसी फर्म की दशा में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और भागीदारी विलेख की एक प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न की जाएगी)।
3. क्या आवेदक ने कर्मकारों की प्रस्तावित संख्या के लिए नियोजन संबंधी योजना अभिप्राप्त करने की व्यवस्था कर ली है? क्या सामूहिक दृष्टिकोण आधार पर?
4. आवेदक किस प्रकार भर्ती करने का प्रस्ताव करता है?
5. वर्तमान अपेक्षा क्या है? अपेक्षित कर्मकारों की श्रेणी, मजदूरी के बारे में जानकारी देने वाली विस्तृत मांग और नियोजन संविदा की एक नमूना प्रति संलग्न करें)
6. उस देश का नाम जिसके लिए कर्मकारों की अपेक्षा की गई।
7. विदेश में वचनबंधित परियोजना का नाम और क्या

वह मुख्य है या उप संविदा के आधार पर है और उसके ब्योरे दें।

8. संविदा का कुल मूल्य और प्रकृति (विदेशी प्रधान के साथ की गई संविदा की एक प्रति संलग्न करें)।
9. क्या आवेदक ने भारतीय रिजर्व बैंक/स्कीनिंग समिति से निकासी अभिप्राप्त कर ली है (फोटो प्रति संलग्न की जाए)
10. मजदूरी के संदाय और मजदूरी के प्रेषण के लिए क्या व्यवस्था रहेगी?
11. यदि मुख्य संविदाकर्ता उपठेकेदार को नियोजित करने वाला आवेदक है तो पूरे विवरण दें।
12. क्या आवेदक उपठेकेदारों के अपने दायित्वों का निर्वाह करने में असफल रहने की दशा में कर्मकारों के लिए उपठेकेदारों के दायित्वों को उठाने का वचनबंध करता है?
13. आवेदक विदेश में कर्मकारों की आवास सुविधा के लिए कौन सी व्यवस्था करेगा?
14. आवेदक द्वारा विदेश में पहले से ही नियोजित भारतीय कर्मकारों की कुल संख्या वह तारीख जिस तक उनकी मजदूरियां वे की गई हैं और वह तारीख जिस तक उनके प्रेषणीय प्रेषण की व्यवस्था कर दी गई है।
15. क्या कर्मकारों से कोई शिकायत सम्बन्धित है?
16. यदि हां, तो उनको निपटाने के लिए की गई कार्रवाईयां और विवरण दें।

वचनबंध

मैं यह वचनबंध करता हूं कि पूर्वोक्त जानकारी के किसी भी बाबत मिथ्या या असत्य पाए जाने की दशा में अनुज्ञापत्र रद्द कर दिया जाएगा।

आवेदक

प्रारूप 8

अध्याय 4 के अधीन दिए गए अनुज्ञापत्र का प्रारूप

[नियम 13 (2) देखिए]

व्यक्तियों की भर्ती और नियोजित करने के लिए अधिनियम के अध्याय 4 के अधीन अनुज्ञापत्र की मंजूरी के लिए—तारीख के उसके आवेदन के प्रति निर्देश से मैसर्स—को यह अनुज्ञापत्र दिया जाता है तो इस अनुज्ञापत्र के जारी किए जाने की तारीख से—निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रभावी होगा :—

- (1) अनुज्ञापत्र अंतरणीय नहीं है।
- (2) अनुज्ञापत्र इसके जारी किए जाने की तारीख से छह मास की कालावधि के लिए या भर्ती पूरी

- किए जाने की तारीख तक इन दोनों में से जो भी पहले हो, वैध है।
- (3) इस अनुज्ञापत्र के आधार पर भर्ती किए गए कर्म-कारों को इस आधार पर संप्रत्यर्पित नहीं किया जाएगा कि उनके पास अपेक्षित कौशल नहीं है।
- (4) अनुज्ञापत्र का धारक किसी भी रीति में भर्ती अभिकर्ता की सहायता अभिप्राप्त नहीं करेगा।
- (5) कर्मकार के साथ किए गए नियोजनकरार पर अनुज्ञापत्र धारक के हस्तक्षेप होंगे।
- (6) अनुज्ञापत्र धारक कर्मकार के साथ की गई संविदा को नियोजन देने वाले देश की श्रम विधियों के अधीन प्रवर्तनीय रूप में मानने के लिए बाध्यता-धीन होगा। संविदा की प्रतियां नियोजन देने वाले देश में संबद्ध प्राधिकारियों के पास फाइल करना उनका उत्तरदायित्व होगा।
- (7) अनुज्ञापत्र धारक इस अनुज्ञापत्र के आधार पर भर्ती की गई जनशक्ति का प्रदाय किसी अन्य अभिकरण या समस्थान को नहीं करेगा।
- (8) अनुज्ञापत्र धारक संविदा की कालावधि के दौरान अनुज्ञापत्र के आधार पर भर्ती किए गए कर्मकारों के साधारण कल्याण और उनकी विनिर्दिष्ट कठिनाईयों के निराकरण के लिए उत्तरदायी होगा।
- (9) अनुज्ञापत्र का धारक कोई नई संविदा किए बिना या विद्यमान संविदा की अवधि बढ़ाए बिना किसी संविदा की समाप्ति के पश्चात् किसी कर्मकार की सेवावधि में विस्तार नहीं करेगा।
- (10) अनुज्ञापत्र धारक कर्मकार की मृत्यु या निशक्तता के प्रत्येक मामले की रिपोर्ट घटना घटित होने के 48 घंटे के अंदर नियोजन देने वाले देश में भारतीय मिशन को अधिसूचित करेगा। इसी प्रकार की सूचना निशक्तता/मृत्यु के मामले में भारत में रहने वाले उसके निकट संबंधी को 48 घंटे के अंदर संसूचित की जाएगी।
- (11) अनुज्ञापत्र धारक ऐसे देश से जिससे अनुज्ञापत्र जारी किया गया है, भिन्न किसी देश को किसी अन्य देश में कार्य के लिए जनशक्ति का प्रदाय करने से प्रतिषिद्ध है।

प्ररूप 9

उत्प्रवास निकासी के लिए आवेदन

[नियम 15(1) देखिए]

1. अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण संख्या
2. अनुज्ञापत्र संख्या और तारीख

अभिकर्ता द्वारा भरा जाए

आवेदक द्वारा भरा जाए

1. आवेदक का नाम
2. आयु
3. क्या वह पहले भी विदेश में रहा है : हां/नहीं
4. लिंग : पुरुष/महिला
5. अधिवास का राज्य
6. पारपत्र संख्या, जारी किए जाने की तारीख और स्थान
7. ग्रामीण नगरीय
8. आश्रितों की संख्या
9. पिछले 12 मासों के दौरान क्या नियोजित रहा है : हां/नहीं
10. यदि हां, तो क्या सरकारी या निजी स्थापन के साथ
11. भारत में उपाजन (प्रतिमास रुपयों में)
12. अ०जा०/अ०ज०जा० का है, यदि हां, तो क्या अ०जा० है या अ०ज०जा० है

1. वह काम जिसके लिए नियोजन किया जाएगा
2. नियोजन देने वाला देश
3. विदेश में वेतन (जिसके अंतर्गत खाद्य भत्ता भी है)
4. संविदा की अवधि (मास)
5. निःशुल्क खाद्य : हां/नहीं
6. नियोजक का नाम

आवेदक

प्रक्र-10

उत्प्रवास निकासी की मंजूरी का प्ररूप

[नियम 16 देखिए]

श्री—को जिसने—देश में—की काला-
बधि के लिए—कार्य करने के लिए उत्प्रवास निकासी के
लिए आवेदन किया था, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 के
अध्याय 5 के अधीन उत्प्रवास निकासी मंजूर की जाती है।
यह अनुज्ञापत्र इस उत्प्रवास निकासी के लिए आवेदक के पार-
पत्र पर इस आशय का एक पृष्ठांकन किए जाने के अधीन है।

S.O. 941(E).—In exercise of the powers conferred
by section 43 of the Emigration Act, 1983 (31 of
1983), the Central Government hereby makes the fol-
lowing rules :

PRELIMINARY

1. Short title and commencement : (1) These rules
may be called the Emigration Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their
publication in the Official Gazette.

2. Definitions : In these rules unless the context
otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Emigration Act, 1983 (31
of 1983);
- (b) "Certificate" means a certificate issued under
section 11 of the Act;
- (c) "Competent Authority" means competent au-
thority notified by Central Government under
section 15 of the Act;
- (d) "demand" means the category-wise, skill-
wise number of workers required by the em-
ployer for being employed in his establish-
ment. This includes description of job-speci-
fications and salary offered;
- (e) "emigration number" means the number as-
signed by the Protector of Emigrants to an
emigrant at the time of granting emigration
clearance;
- (f) "Form" means a Form annexed to these
rules;
- (g) "permit" means a permit issued under Chap-
ter IV of the Act;
- (h) "remittable component" means a part of the
wages which the emigrant is entitled to re-
mit to India;
- (i) "unauthorised emigrant" means any person
who has emigrated or intends to emigrate out
of India for employment in violation the pro-
vision of the Act and the rules.

3. Dependent of an emigrant : (1) a person who
claims to be the dependent of an emigrant shall be
required to produce in support of his claim a certifi-
cate to this effect from the District Magistrate or a re-
venue authority not below the rank of Tehsildar of the
place where the emigrant ordinarily resides or domi-
ciles.

(2) Determination of the purpose of visit of de-
pendent shall be carried out with reference to the na-
ture of the visa, sponsorship certificate and such other
travel documents as may be considered necessary.

4. Emigrants conveyance : Any conveyance, espec-
ially chartered for conveyance of emigrant or employed
generally for conveying emigrants exceeding two in
number shall be deemed to be emigrant conveyance.

5. Recruiting agent representing the employer : The
representation of an employer by a recruiting agent
shall be determined with reference to the power of
attorney given by the employer to the recruiting agent.
The representation shall be limited for purpose men-
tioned in the power of attorney. Such power of attorney
unless limited in time by an express provision shall be
valid for a period of one year from the date of its
execution.

6. Inspection of an emigrants conveyance : (1) If
the Protector of Emigrants has reason to believe that
a conveyance is an emigrant's conveyance he may in-
spect such conveyance with a view to detecting the pre-
sence of unauthorised emigrants in the conveyance or
for obtaining such evidence as may be necessary for
protecting the interests of emigrants and he may, with
such assistance, as he may think fit,—

- (i) enter such conveyance at any time;
- (ii) require the production of registration cer-
tificate of the conveyance, log book and list of
passengers; and
- (iii) take such other evidence and examine any
person as he may deem necessary.

(2) Person having the general management or con-
trol of the conveyance shall provide such means as may
be required by the Protector of Emigrants for inspection
under sub-rule (1).

7. Registration of recruiting agent—An application
for registration of a recruiting agent shall be made in
Form I and shall be accompanied by—

- (i) a bank draft of one hundred rupees payable
in favour of the Protector General of Emi-
grants towards the application fee; and
- (ii) an affidavit in Form II annexed sworn before
a Metropolitan Magistrate or a Judicial
Magistrate or a Judicial Magistrate giving
the applicant's current financial standing.

8. Amount of security.—Determination of the
amount of security deposit under section (3) of sec-
tion 11 shall be done with reference to the estimated
number of persons to be recruited by an applicant dur-
ing the period for which the registration is applied for
in accordance with the following scale,—

(i) minimum upto 100	1 lakh
(ii) 101 to 600	3 lakhs
(iii) 601 to 1000	4 lakhs
(iv) 1001 and above	5 lakhs

(2) In the event of the recruitment of the specified number getting completed before the date of expiry of the certificate, the holder of the certificate may be permitted by the Registering Authority to continue recruitment upto the date of expiry of the certificate on furnishing additional security in accordance with the scale prescribed after reckoning the total number of persons to be recruited, including the number already recruited.

9. Validity of certificate—A certificate shall be valid for a period of three years :

Provided that a certificate may be issued for a shorter period—

- (a) if the person to whom it is issued so desires; or
- (b) if the registering authority, for reasons to be communicated in writing to the applicant for the certificate, considers in any case that the certificate should be issued for a shorter period.

10. Terms and conditions of the certificate—(1) The registration certificate shall be subject to the following terms and conditions—

- (i) This certificate shall be valid for a period specified in the certificate;
- (ii) the certificate shall not be transferable;
- (iii) the holder of the certificate shall conduct the business under his own hand and seal;
- (iv) a photocopy of registration certificate shall be displayed prominently at a conspicuous place of business;
- (v) the certificate shall be made available for inspection to the emigration authorities, law enforcement authorities and employers;
- (vi) the certificate shall be produced on demand for satisfaction of the bonafides of the recruiting agent, when such demand is made by an emigrant;
- (vii) the holder of the certificate shall conduct the business from the place indicated in certificate. For opening a recruitment centre at a place other than the place indicated in the certificate, the holder of the certificate shall obtain the prior permission of the registering authority;
- (viii) the holder of the certificate shall not employ sub-agents for the purpose of conducting or carrying on his business, and
- (ix) the holder of the certificate shall maintain the following records at his place of business and shall make them available for inspection on demand by Protector General of Emigrants or the Protector of Emigrants.—
 - (a) a register of receipt of charges from emigrants recruited, in the form of an original acquittance roll containing the signature of each emigrant from whom the charge has been received. Each such register shall be with reference to a demand for recruitment. The register shall be maintained as permanent records;

- (b) a register and records of the amounts and Pre-paid Ticket Advances alongwith their photo copies received from the employers, identified demand-wise;
- (c) a register containing details of expenses incurred on the recruitment of emigrants demand-wise supported by documents;
- (d) individual folders for each employer whose demands of labour, the holder of the certificate has processed, proposes to process or is processing;
- (e) bio-data of each emigrant recruited by the holder of the certificate;
- (f) copies of employment contracts of each emigrant as authenticated by the Protector of Emigrants;
- (g) original demand letter, power of attorney and correspondence with the employers;
- (h) all documents relating to the recruitment of emigrants, including office copies of all advertisements issued, letters of interview and correspondence with the applicants, original award sheets leading to the selection, names and addresses of persons involved in the selection process, copies of letters of appointments, trade-testing particulars;
- (i) a register of visas received from the employers, giving separate account of block and individual visas;
- (j) a register of claims for all compensations (including for injury or death) made by the emigrants or their dependents, recruited by the holder of the certificate giving the name, address of the emigrant, emigration number, country of employment, nature of compensation (including the details in regard to the circumstances leading to the claim), address of the recipients and the name and address of the employer, and the receipt in original in token of having made the payment of compensation; and
- (k) such other records as may be required to be maintained by the registering authority.
- (x) The holder of the certificate shall furnish return of the preceding month in Form IV by the 10th of the succeeding month.
- (xi) Copy of each advertisement for recruitment of the emigrants shall be endorsed to the Protector of Emigrants;
- (xii) the holder of the certificate shall ensure that the employer observes the terms and conditions of the contract; and
- (xiii) the holder of the certificate shall not charge any amount from the emigrant towards the repatriation expenses.

(2) The Certificate shall be in Form V

11. Permits for recruitment by employers—(1) Applications for permits—The application for issue of the permits for recruitment by foreign employers shall be in Form VI.

(2) The application for issue of permits for recruitment by Indian employers for foreign jobs shall be in Form-VII.

12. Conditions of permit—The permit shall be subject to the following conditions, namely :—

- (i) the permit is not transferable.
- (ii) the permit is valid for a period of six months from the date of issue or the date of completion of the recruitment whichever is earlier.
- (iii) Workers recruited on the strength of this permit shall not be repatriated on the ground that they do not possess the required skill.
- (iv) The holder of the permit shall not obtain the assistance of recruiting agent in any manner.
- (v) The employment agreement with the worker shall be signed by the holder of the permit.
- (iv) The holder of the permit shall be under obligation to treat the contract entered into with the worker as enforceable under the Labour Laws of the country of employment. It shall be his responsibility to file the copies of the contracts with the concerned authorities in the country of employment.
- (vii) The holder of the permit shall not supply manpower recruited on the strength of this permit to any other agency or concern.
- (viii) The holder of the permit shall be responsible for the general welfare and redressal of specific grievances of the workers recruited on the strength of the permit during the period of contract.
- (ix) The holder of the permit shall not extend the services of a worker after the expiry of a contract without entering into a fresh contract or without extending the existing contract.
- (x) The holder of the permit shall notify to the Indian Mission in the country of employment each case of death or disability of a worker within 48 hours of the occurrence of the event. Similarly information should be communicated to the next of kin in India in case of disability/death within 48 hours.
- (xi) The holder of the permit is prohibited from supplying manpower for a work in another country to a country other than the country from which the permit has been issued.

13. Issue of permit—(1) On receipt of the application, the competent authority may verify the facts contained in the application and may make the following enquiries to ascertain that the terms and conditions of employment are not discriminatory or exploitative :—

- (a) the basis on which the demand has been computed;
- (b) the principle on which skills have been classified;

- (c) job contents of a post required to be filled;
- (d) scope of future prospects in various categories of jobs;
- (e) structure of supervisory control;
- (f) grievances procedure followed; and
- (g) general reputation of the applicant and reports of specific misconduct, if any.

(2) A permit issued under section 17 of the Act shall be in Form VIII and shall be valid for a period of six months from the date of its issue or till the recruitment of the persons for whose recruitment such permit is issued is completed, whichever is earlier.

(3) In case the employer is not able to complete the recruitment within six months, then he may make an application under Section 18 of the Act for an extension of the period of validity of the permit, stating the reasons therein for not completing the recruitment within the prescribed period. The prescribed authority may extend the validity of the permit by such further period as it may think fit but not exceeding three months at a time.

14. (1) A foreign employer who has been granted a permit under sub-rule (2) of section 15 of the Act shall on arrival in India submit to the Protector General of Emigrants a certified copy of the permit and thereafter may proceed to make recruitments.

(2) Where the permit under sub-section (2) of section 15 has been issued for recruitment of persons not more than two in number and where such recruitment is being made on the basis of postal communication or personal contact, a copy of the permit certified by the Indian Mission in the country of employment can be filed by such person himself.

15. Application for emigration clearance—(1) Every application made under sub-section (2) of section 22 of the Act shall be made in Form IX by the applicant directly or through the recruiting agent if any or through the employer concerned and shall be accompanied by,—

- (a) a true copy of the demand verified and authenticated by the Indian Mission in the country of employment;
- (b) a true copy of the power of attorney given by the employer to the recruiting agent verified and authenticated by the Indian Mission in the country of employment;
- (c) a true copy of the agreement under sub-section (3) of section 22 of the Act verified and authenticated by the Indian Mission in the country of employment;
- (d) a statement setting out the particulars of matters prescribed under sub-rule (2) not provided in the agreement;
- (e) a statement of additional conditions, if any;
- (f) a statement as to the provision by way of security for meeting the expenses which may be incurred in case it becomes necessary to

arrange for the repatriation to India of the applicant. This statement shall be verified and authenticated by the Recruiting Agent in case the applicant is recruited by him; and

- (g) a demand draft of rupees fifty drawn in favour of the Protector General of Emigrants as the emigration fee in respect of each applicant.

(2) An agreement under sub-section (3) of section 22 shall provide for the following matters :—

- (i) period of employment;
- (ii) place of employment;
- (iii) wages;
- (iv) working hours; ;
- (v) overtime allowance;
- (vi) accommodation;
- (vii) occupational safety provisions;
- (viii) social security provisions including compensation for injury and death;
- (ix) medical benefits;
- (x) leave benefits;
- (xi) travel and transportation expenses;
- (xii) free food or food allowance provisions;
- (xiii) conditions for the termination of employment;
- (xiv) provisions in regard to coverage of special risks including war;
- (xv) provisions in regard to remittances;
- (xvi) provisions in regard to renewal of contract;
- (xvii) provision in regard to disposal and transportation of dead body of the emigrant; and
- (xviii) mode of settlement of disputes.

16. Emigration clearance under sub-section (1) of section 22 of the Act shall be given in Form X and an entry incorporating grant of emigration clearance to an emigrant for the country of employment for the period of contract and the attestation number of the Mission on the demand should be made in the passport of the emigrant by the Protector of Emigrants.

17. Direct recruitment by foreign employer—(1) Where an emigrant has been recruited directly by a foreign employer, the emigrant shall be required to deposit one way return fare calculated from the place of employment to the place of origin of the basis of the International Air Transport Association fare structure as security.

(2) Where the liability for bearing the cost of repatriation falls on the emigrant, security deposited by him under sub-rule (2) shall be utilised for his repatriation on the orders of the Protector of Emigrants.

18. Form of appeal—(1) Every appeal presented to the Central Government under section 23 of the Act shall be in the form of a memorandum signed by the appellant. The memorandum shall be sent in triplicate and accompanied by a copy of the order ap-

pealed against and a demand draft of rupees seventy five drawn in favour of the Union of India towards the fee for the appeal.

(2) The memorandum—

- (a) shall set forth concisely the grounds of objection to the order appealed against and such ground shall be numbered consecutively ; and

(b) shall specify—

- (i) the address at which notices or other processes may be served on the appellant; and
- (ii) the date on which the order appealed against was served on the appellant.

(3) Where the memorandum is presented after the expiry of the period of thirty days referred to in sub-section (2) of section 23, it shall be accompanied by a petition, in triplicate, duly verified and supported by the documents, if any, relied upon by the appellant, showing cause how the appellant had been prevented from preferring the appeal within the said period of thirty days.

(4) Any notice required to be served on the appellant shall be served on him in the manner prescribed in rule 18, at the address for service specified in the memorandum.

19. Procedure before the appellate authority—(1) On receipt of an appeal under rule 18, the Appellate Authority shall send a copy of the memorandum of appeal to the registering authority or the competent authority or the Protector of Emigrants or the prescribed authority against whose order the appeal has been presented.

(2) The Appellate Authority shall then issue notices to the appellant and the registering authority or the competent authority or the Protector of Emigrants or the prescribed authority, as the case may be, fixing a date for hearing of the appeal.

(3) On the date fixed for the hearing of the appeal, or any other day to which the hearing of the appeal may be adjourned, the appellant as well as the representative of the registering authority or the competent authority or the Protector of Emigrants or the prescribed authority, as the case may be, shall be heard.

(4) Where on the date fixed, or any other day to which the hearing of the appeal may be adjourned, the appellant fails to appear when the appeal is called on for hearing, the Appellate Authority may decide the appeal on the basis of the records of the case.

20. Contents of the order in appeal—The order of appellate Authority shall be in writing and shall state briefly the grounds for the decision and shall also be signed by the Appellate Authority.

21. Representation of party—Any person who has filed an appeal under section 23 of the Act may appoint a pleader, advocate or any other person to appear, plead and act on his behalf before the Appellate Authority.

22. Procedure for deciding emigrant status.—Where a question arises before a Protector of Emigrants as to whether a person intending to deport from India is or is not an emigrant shall be decided by the Protector of Emigrants after holding an enquiry in the following manner :—

- (a) he may require the presence of the concerned person on an appointed day and time;
 - (b) he may also require the concerned person to produce evidence relating to—
 - (i) the present occupation;
 - (ii) his financial status and income;
 - (iii) certificate of sponsorship from the foreign country;
 - (iv) the source of financing of the journey;
 - (v) the source of receipt of foreign exchange;
- and thereafter he shall pass speaking order and copy of the same shall be provided to the person concerned and an endorsement to this effect shall be made in the passport.

23. Forfeiture of security deposit.—Where the competent authority or the registering authority has reason to believe that it is expedient to forfeit the whole or any part of security furnished by any person for being utilised for such purpose and in such manner as may be specified in the order, he may, after giving a notice to this effect to such person and thereafter giving him an opportunity to represent his case, by order in writing, forfeit the whole or any part of the security.

24. Authorities and officers to have certain powers of civil courts.—(1) The Protector General of Emigrants, the registering authority, the competent authority and every Protector of Emigrants shall, for the purpose of discharging their functions under this Act, have the same powers as are vested in a court under the Code of Civil Procedure, 1903 while trying a suit, in respect of the following matters, namely :—

- (a) Summoning and enforcing the attendance of witnesses;
- (b) requiring any public record or copy thereof from any court or office;
- (c) requisitioning any public record or copy thereof from any court or office;
- (d) receiving evidence on affidavits; and
- (e) issuing commissions for the examination of witnesses or documents.

(2) Every proceeding before the Protector General of Emigrants, or the registering authority or the competent authority or a Protector of Emigrants shall be a judicial proceeding within the meaning of section 193 and 228 of the Indian Penal Code and the Protector General of Emigrants, the registering authority, the competent authority, and every Protector of Emigrants shall be deemed to be a civil court for the purposes of section 195 and Chapter XXVI of the Code of Criminal Procedure, 1973.

25. Service charges.—The charges which the recruiting agent may recover from an emigrant in respect of services rendered shall not exceed rupees one

thousand and five hundred for which the recruiting agent shall give a receipt to the emigrant.

26. Service of notice and orders.—A notice or an order issued under these rules shall be served on any person in the following manner, that is to say—

- (a) by delivering or tendering the notice or order to that person or his duly authorised agent; or
- (b) by sending a notice or order to him by Registered Post with acknowledgement due to the address of his place or residence or his last known place of residence or the place where he carries out or last carried out business or personally works or last worked for gain; or
- (c) if the notice or order cannot be served under clause (a) or clause (b), by affixing it on the outer door or some other conspicuous part of the premises in which that person resides or is known to have last resided, or carries out or last carried out business or personally works or last worked for gain and that written report thereof should be witnessed by two persons.

FORM-I

FORM OF APPLICATION FOR REGISTRATION OF A RECRUITING AGENT

(See rule 7)

1. Name of the Applicant.
2. Status (Company/a partnership firm/sole proprietor)
(in case of a company copy of the registration certificate and memorandum of articles and in case of a firm copy of the registration certificate and partnership deed shall be annexed to this application).
3. Date of setting up of the establishment.
4. Name, designation and address of Director, Partner or proprietor who are authorised to sign on behalf of the applicant firm or the proprietary concern (specimen signatures to be attached).
5. Name and address of bankers.
6. Financial status :
 - (i) value of assets supported by a certificate issued by an approved valuer.
 - (ii) bank deposits supported by a certificate of the bank.
 - (iii) investments.
 - (iv) Net worth.
 - (v) Permanent income-tax number (enclose a copy of the previous year income-tax amount certificate).
7. Business during the last five years.

8. Experience, if any, in recruitment of manpower for overseas employment, if so :
 - (a) whether the applicant was registered earlier as Recruiting Agency and if so, the details.
 - (b) whether any director|partner|proprietor had been associated with any recruiting agency in the past and if so, give details.
9. If previously in the business of recruitment, total number of workers deployed abroad, year-wise, country-wise and category-wise during the last five years.
10. Whether there are any complaints against the applicant in respect of workers recruited, if so, details thereof.
11. Whether there is any criminal or civil case pending in any court against the applicant; if so, details thereof.
12. Whether any Director|Partner|Proprietor have ever been convicted; if so, details thereof.
13. Whether any Certificate issued under Emigration Act, 1983 was cancelled; if so, reasons thereof.
14. Address of the office premises for conducting the business.
15. Whether the office premises is owned, on hire or on lease, if the office is in hired|leased premises, the name and address of the owner.
16. Whether business premises are adequate and easily accessible for the public.
17. Give details of the facilities for conducting business at the applicant's disposal.
18. Name of countries where the applicant proposes to concentrate his efforts to deploy Indian workers. How does he remain in contact with these markets.
19. Number of workers proposed to be recruited and form in which security is to be deposited.
20. Period for which registration is applied for.

UNDERTAKING

I undertake that in the event of any of the information furnished above being found to be false or incorrect in any respect, the Certificate is liable to be cancelled.

Date

Applicant

FORM-II

AFFIDAVIT

(See rule 7)

I,..... son of Shri aged resident of do hereby solemnly affirm and declare as under :—

1. That I the Company|firm own(s) fixed assets of the value of rupees.
2. That I the Company|firm hold(s) bank deposits of rupees.
3. That I the Company|firm have made the following other investments :
 - (a)
 - (b)
 - (c)
 - (d)
4. That I the Company|firm have the following liabilities :
 - (a)
 - (b)
 - (c)

VERIFICATION

I do hereby solemnly affirm and declare that the contents of paras 1 to 4 above are true to the best of my knowledge and that nothing has been concealed.

Verified at.....on.....

DEPONENT

Attested before

Metropolitan Magistrate/Judicial Magistrate
NAME, SIGNATURE AND SEAL

FORM-IV

Name of the Company.....
Registration Number.....
Return for the Month of.....

MONTHLY RETURN TO BE SUBMITTED BY THE RETURNING AGENT TO THE OFFICE OF THE PROTECTOR
GENERAL OF EMIGRANTS BY THE 10TH OF EVERY MONTH

[See rule 10(a)]

Details of Demand	No. of persons deployed abroad			Charges recovered from emigrants	No. of persons repatriated by employer before completion of contract period	No. of visas		No. of Pre-paid Ticket Advises		Fees received from employer in foreign exchange)
	1	2	3			Received	Utilised	Received	Utilised	
	Category	Country	Wages							
1	2	3	4	5	6	7				
										Signature
										Seal of the Company
										Date

FORM-V

Certificate No.....

CERTIFICATE

[See rule 10(2)]

With reference to the application dated_____ for grant of a Certificate under Section 10 of the Emigration Act, 1983 to commence or carry on the business of recruitment for deployment of Indian workers with foreign employers. M/s._____ is hereby granted the said certificate effective from the date of issue of this certificate, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (i) that the business shall be conducted at_____;
- (ii) that this certificate is valid for a period of_____ years or till the completion of the recruitment of_____ workers, whichever is earlier. In the event of the recruitment of the specified number getting completed before the specified period, the holder of the certificate can be permitted to continue recruitment upto the expiry of the certificate on production of evidence of actual demand and on furnishing additional security under sub-rule (2) of rule 8 ;
- (iii) that the holder of the certificate shall conduct business under signatures and seal of the director, partners/proprietor and the certificate shall not be transferrable ;
- (iv) that this registration certificate shall be prominently displayed at conspicuous place in the premises of business and shall be produced on demand by the emigration authorities, law enforcement authorities and employers ;
- (v) that the holder of the certificate shall normally conduct the business from the place indicated in the application for registration. For opening a Recruitment centre at a place other than the place indicated in the application, the holder of the certificate has to obtain the prior approval of the Registering Authority ;
- (vi) that the holder of the certificate shall not employ sub-agents for the purpose of conducting or carrying on his business ;
- (vii) that the holder of the certificate shall not charge more than the prescribed fee from the emigrants and also adhere to prescribed standard wages ;
- (viii) that the holder of the certificate shall maintain the following permanent records at his place of business :

- (a) a Register of receipt of charges from emigrants recruited, in the form of an original acquittance Roll containing the signature of each emigrant from whom the charge has been received. Each such Register shall be with reference to a demand for recruitment.
- (b) a Register and record of the amounts and Pre-paid Ticket Advises, along with their photo copies received from the employers, identified demand-wise.
- (c) a Register containing details of expenses incurred on the recruitment of emigrants demand-wise supported by documents.

- (d) individual folders for each employer whose demands of labour, the holder of the certificate has processed, proposed to process or is processing.
- (e) bio-data (giving full particulars including name, address, age, skill, experience and name and address of next of kin) of each emigrant recruited by the holder of the certificate.
- (f) copies of employment contracts of each emigrant as authenticated by the Protector of Emigrants.
- (g) original demand, power of attorneys and correspondences with the employers.
- (h) all documents relating to recruitment of emigrants, including office copies of all advertisements issued, letters of interviews and correspondence with the applicants, original award sheets leading to the selection, names and addresses of persons involved in the selection process, copies of letters of appointments, trade-testing particulars, etc.
- (i) a Register of visas received from the employers, giving separate account of block and individual visas.
- (j) a Register of claims for compensation for injury or death made by the emigrants or their dependents, recruited by the holder of the certificate giving the name, address of the emigrant, emigration number, country of employment, nature of injury or death, as the case may be, date of accident, name address of the recipients, name and address of the employer, and the receipt in original in token of having made the payment of compensation be pasted.
- (k) such other records as may be required to be maintained by the registering authority.
- (ix) that the holder of the certificate shall furnish return of the preceding month in Form IV by the 10th of the succeeding month,
- (x) that copies of advertisements for recruitment of the emigrants shall be filed with the Protector of Emigrants ; and
- (xi) that recruiting agent shall not charge the repatriation expenses from the emigrant.

Date and place

Signature, name and seal of the
Registering Authority.

FORM-VI

FORM OF APPLICATION FOR A PERMIT FOR
RECRUITMENT BY A FOREIGN EMPLOYER

[See rule 11(1)]

1. Name of the employer.
2. Status (Company/a partnership firm/sole proprietor).
(in case of a company copy of the registration certificate and memorandum of articles and in case of a firm copy of the registration

certificate and partnership deed shall be annexed to this application).

3. Have the applicant obtained the permission of his Government to employ foreign workers? (attach photocopy of the permission).
4. Has the applicant arranged to obtain employment visa for the proposed number of workers? Whether on block/individual basis?
5. How does the applicant propose to carry out recruitment?
6. What is present requirement? (Attach detailed demand containing information about category of workers required, wages offered and a copy of specimen of the employment contract).
7. Has the applicant earlier employed any Indian workers in his establishment? If so, give the total number.
8. Are there any pending complaints from the Indian workers; if so, details thereof.

UNDERTAKING

I undertake that in the event of the foregoing information being found to be incorrect or false in any respect, the permit shall be liable to be cancelled.

Applicant

Seal (Chamber of Commerce)

Seal (Foreign Affairs)

Seal (Indian Embassy)

FORM-VII

FORM OF APPLICATION FOR A PERMIT FOR RECRUITMENT BY AN INDIAN PROJECT EXPORTER

[(See rule 11(2))]

1. Name of the employer.
2. Status (Company/a partnership firm/sole proprietor).
(in case of a company copy of the registration certificate and memorandum of articles and in case of a firm copy of the registration certificate and partnership deed shall be annexed to this application).
3. Has the applicant arranged to obtain employment visa for the proposed number of workers? Whether on block/individual basis?
4. How does the applicant propose to carry out recruitment?
5. What is present requirement? (attach detailed demand containing information about category of workers required, wages offered and a copy of the specimen of the employment contract).
6. Name of the country for which workers are required?

7. Name of the project undertaken in the foreign country and whether prime or sub-contract basis and details thereof.

8. Total value and nature of contract (attach a copy of the contract with the foreign principal).

9. Has the applicant obtained Reserve Bank of India/Screening Committee clearance? (Photo copy to be attached).

10. What will be the arrangement for payment of wages and remittances of wages?

11. If prime contractor, is the applicant employing a sub-contractor? If so, give details.

12. Does the applicant undertake to bear the liabilities of the sub-contractor towards workers in the event of the failure of the sub-contractor to discharge his liabilities?

13. What arrangements the applicant shall make for accommodating the workers in the foreign country?

14. Total number of Indian workers already employed by the applicant abroad. Date up to which their wages have been paid and date upto which arrangements for remittance of remittable components have been made.

15. Is there any pending complaints from workers?

16. If so, give details and action being taken to settle the same.

UNDERTAKING

I undertake that in the event of the aforesaid information being found to be false or incorrect in any respect, the permit shall be liable to be cancelled.

Applicant

FORM-VIII

FORM OF PERMIT GRANTED UNDER CHAPTER IV

[(See rule 13(2))]

With reference to his application dated—
for grant of a permit under Chapter IV of the Act to recruit and employ— number of persons M/s.— is hereby granted this permit effective from the date of issue of this permit subject to the following conditions:—

- (i) The permit is not transferrable.
- (ii) The permit is valid for a period of six months from the date of issue or the date of completion of the recruitment, whichever is earlier.
- (iii) Workers recruited on the strength of this permit shall not be repatriated on the ground that they do not possess the required skill.
- (iv) The holder of the permit shall not obtain the assistance of recruiting agent in any manner.
- (v) The employment agreement with the worker shall be signed by the holder of the permit.

- (vi) The holder of the permit shall be under obligation to treat the contract entered into with the worker as enforceable under the labour laws of the country of employment. It shall be his responsibility to file the copies of the contracts with the concerned authorities in the country of employment.
- (vii) The holder of the permit shall not supply manpower recruited on the strength of this permit to any other agency or concern.
- (viii) The holder of the permit shall be responsible for the general welfare and redressal of specific grievances of the workers recruited on the strength of the permit during the period of contract.
- (ix) The holder of the permit shall not extend the services of a worker after the expiry of a contract without entering into a fresh contract or without extending the existing contract.
- (x) The holder of the permit shall notify to the Indian Mission in the country of employment each case of death or disability of a worker within 48 hours of the occurrence of the event. Similarly information should be communicated to the next of kin in India in case of disability/death within 48 hours.
- (xi) The holder of the permit is prohibited from supplying manpower for a work in another country to a country other than the country from which the permit has been issued.

FORM-IX

APPLICATION FOR EMIGRATION CLEARANCE

[See rule 15(1)]

To be filled in by Agent

1. Agent's Registration Number
2. Permission number and date

To be filled in by the Applicant

1. Applicant's name
2. Age
3. Had been abroad before : Yes/No
4. Sex : Male/Female
5. State of domicile
6. Passport number, date and place of issue
7. Rural/Urban
8. Number of dependents
9. Been employed during the last 12 months. Yes/No
10. If yes, with Government or private establishment
11. Earning in India (rupees per month)
12. Belonging to SC/ST, if yes, whether SC/ST

1. Job for which to be employed
2. Country of employment
3. Salary abroad (including food allowance)
4. Contract period (months)
5. Free food : Yes/No
6. Employer's name

Applicant

FORM-X

No.

FORM OF GRANT OF EMIGRATION CLEARANCE

(See rule 16)

Shri _____ who had applied for emigration clearance to take up the job of a _____ in the country _____ for a period of _____ is hereby granted the emigration clearance under Chapter V of the Emigration Act, 1983. This permission is subject to the endorsement to this effect having been made on the passport of the applicant for emigration clearance.

[No. CGE-11011/8/81-Emig-I(ii)]

का०आ० 942 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री ए० के० टंडन, संयुक्त सचिव, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) को उत्प्रवासी महासंरक्षक और निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्प्रवासी संरक्षक नियुक्त करती है :—

- (1) श्री एम० एस० भल्ला, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक-1, बम्बई के रूप में।
- (2) श्री एस० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक-2, बम्बई के रूप में।
- (3) श्री एन० आर० पुंज, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक, दिल्ली के रूप में।

- (4) श्री हरविन्दर सिंह, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक, चंडीगढ़ के रूप में।
- (5) श्री एस० के० विश्वास, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक, कलकत्ता के रूप में।
- (6) श्री वी० के० वेनुगोपालन, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक, कोचीन के रूप में।
- (7) श्री टी० के० गोपालन, पासपोर्ट अधिकारी मद्रास को उत्प्रवासी संरक्षक, मद्रास के रूप में।
- (8) श्री के० उपागुप्तन, अनुभाग अधिकारी को उत्प्रवासी संरक्षक, त्रिवेंद्रम के रूप में।

[सं० सीजीई-11011/8/81- उत्प्रवास-1(iii)]

S.O.942(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri A. K. Tandon, Joint Secretary, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) as the Protector General of Emigrants and the following persons as the Protectors of Emigrants :—

- (i) Shri S. S. Bhalla, Section Officer as Protector of Emigrants-I, Bombay.
- (ii) Shri S. K. Sharma, Section Officer as Protector of Emigrants-II, Bombay.
- (iii) Shri N. R. Punj, Section Officer as Protector of Emigrants, Delhi.
- (iv) Shri Harvinder Singh, Section Officer as Protector of Emigrants, Chandigarh.
- (v) Shri S. K. Biswas, Section Officer as Protector of Emigrants, Calcutta.
- (vi) Shri V. K. Venugopalan, Section Officer as Protector of Emigrants, Cochin.
- (vii) Shri T. K. Gopalan, Passport Officer Madras as Protector of Emigrants, Madras.
- (viii) Shri K. Upagupthan, Section Officer as Protector of Emigrants, Trivandrum.

[No. CGE-11011/8/81-Emig-I(iii)]

का० आ० 943 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्प्रवासी महासंरक्षक को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नियुक्त करती है।

[सं० सीजीई-11011/8/81- उत्प्रवास-1(4)]

S. O. 943(E).—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints the Protector General of Emigrants to be the Registering Authority.

[No. CGE-11011/8/81-Emig-I(iv)]

का० आ० 944 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्प्रवासी महासंरक्षक को सक्षम प्राधिकारी नियुक्त करती है।

[सं० सीजीई-11011/8/81- उत्प्रवास-1 (5)]

S.O. 944(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Protector General of Emigrants to be the competent authority.

[No. CGE-11011/8/81-Emig-I(v)]

का० आ० 945 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विदेश में सबंधित भारतीय मिशनों के प्रमुखों को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने और उसके प्रत्यायन के अंतर्गत आने वाले देश में निबोधन के लिए भारत के किसी नागरिक की भर्ती करने के प्रबोधन के लिए ऐसे नियोजकों को जो भारत के नागरिक नहीं हैं, अनुज्ञापत्र जारी करने के लिए, प्राधिकृत करती है।

[सं० सीजीई-11011/8/81-उत्प्रवास-1 (6)]

ए० के० टंडन, संयुक्त सचिव

S.O. 945(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Heads of the respective Indian Missions abroad to exercise powers of competent authority and issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in the country under its accreditation.

[No. CGE-11011/8/81-Emig-I(vi)]

A. K. TANDON, Jt. Secy.

